[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8256 **GC** **Your Roll No.....**
प्रश्न पत्र का क्रमांक **आपका अनुक्रमांक.....**

Unique Paper Code : 12301303
यूनिक पेपर कोड

Name of the Paper : Sociology of Gender

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sociology**

Semester / Annual : III
सेमेस्टर / वार्षिक : तृतीय

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 75
पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Three** questions from **Part A** and **One** question from **Part B.**
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **भाग क** में से **तीन** प्रश्नों तथा **भाग ख** में से **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Part A
भाग – क

1. How does Sociology accommodate gender studies ?

   समाजशास्त्र किस प्रकार जेंडर अध्ययनों को समाहित करता है ?

P.T.O.

2. Discuss with the help of examples the multiple forms of masculinity and femininity.

उदाहरणों की सहायता से पुरुषत्व व स्त्रीत्व के विभिन्न स्वरूपों की विवेचना कीजिए ।

3. What is patriarchy ? How do women negotiate patriarchy in everyday life ?

पितृसत्ता क्या है ? दैनिक जीवन में स्त्रियाँ पितृसत्ता का किस प्रकार परक्रामण करती हैं ?

4. Analyse how family is the area of subordination and domination of women.

व्याख्या करें कि परिवार किस प्रकार से स्त्रियों की अधीनता व प्रभुत्वता का स्थान है ।

5. Examine the nature of feminist movements in India.

भारत में स्त्रीवादी आंदोलनों की प्रकृति का परीक्षण कीजिए ।

Part B
भाग – ख

1. Do you agree with the view that sex is socially constructed ? Substantiate your arguments.

क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि लैंगिकता सामाजिक रूप से निर्मित होता है ? अपने तर्क की पुष्टि कीजिए ।

2. Without intersectionality, gender relation does not show real images of social reality. Discuss

प्रतिच्छेदनकता के बिना, जेंडर संबंध सामाजिक वास्तविकता की वास्तविक चित्रणों को नहीं दिखा सकते । विवेचना कीजिए ।